



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राविकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 78]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अप्रैल 15, 1976/षष्ठ 26, 1898

No. 78]

NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 15, 1976/CHAITRA 26, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह घलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

(PUBLIC NOTICE)

EXPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 15th April 1976

SUBJECT.—*Scheme for exports under O.G.L. 3 of Indian Cotton handloom textiles including readymade garments and made-ups and 'India Items' for export to the U.S.A. during the Quota Year 1st October, 1975 to 30th September, 1976.*

No. 12-ETC(PN)/76.—The Scheme relates to the export of all the categories of cotton handloom textiles including readymade garments, made-ups and 'India Items', from India to the USA for the quota year 1st October, 1975 to 30th September, 1976.

2. Certification in the manner prescribed by the US authorities for the said material to get an entry into that country will be made by the Textiles Committee in respect of all Indian Cotton handloom textiles and by the Textiles Committee and/or All India Handicraft Board in respect of India items.

3. In addition, export of cotton handloom garments are governed by quota restrictions. For the purpose of quota allotment, the shipment period will be divided into two six-monthly periods, i.e. from 1st October, 1975 to 31st March, 1976 and 1st April, 1976 to 30th September, 1976.

4. Exports will be allowed from any port in India.

5. Quotas for cotton handloom readymade garments for shipment during the period from 1st October, 1975 to 30th September, 1976 will be allotted against individual shipments, by the Textiles Committee, Bombay or its Regional Officers, by way of endorsement on the shipping bills on first-come first-served basis. As soon as the ceiling is reached, the Textiles Committee shall stop forthwith the allotment of quotas.

6. All shipments of cotton handloom textiles made during each month from any port in India shall be reported by the exporters concerned to the Textiles Committee, Bombay, by the 10th of the subsequent month.

7. The Textile Commissioner is empowered to frame rules and regulations from time to time *inter-alia* to provide for the conditions to be complied with by an applicant before he would be eligible for quota.

P. K. KAUL,

Chief Controller of Imports and Exports.

दारिद्र्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना

नियर्ति तीव्रपार नियंत्रण

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1976

विषय।—कोटा वर्ष 1 अक्टूबर, 1975 से 30 मितम्बर, 1976 तक के दौरान खुले सामान्य लाइसेंस 3 के अंतर्गत तीव्रार कोषकों तथा वस्तुओं और 'भारतीय मदों' सहित भारतीय सूती हथकर्षा वस्त्रों के संयुक्त राज्य अमरीका को निर्यात के लिए योजना।

संख्या 12-ई० टी० सी० (पी एन) / 76।—यह योजना कोटा वर्ष 1 अक्टूबर, 1975 से 30 सितम्बर, 1976 तक के लिए तीव्रार पोशाकों, वस्तुओं और 'भारत नृतों' सहित नृतों हथकर्षा वस्त्रों की सभी श्रेणियों के भारत से संयुक्त राज्य अमरीका को निर्यात से संबंधित है।

2. संयुक्त राज्य अमरीका में उक्त सामान की प्रविहित करने के लिए वहाँ के प्राधिकारियों द्वारा निर्धारित तरीफे से प्रमाणन सभी भारतीय सूती हथकर्षा वस्त्रों के संबंध में वस्त्र समिति द्वारा और भारत मदों के संबंध में वस्त्र समिति और/या अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड द्वारा किया जाएगा।

3. इसके अतिरिक्त, सूती हथकर्षा पोशाकों के निर्यात कोटा प्रतिबन्धों द्वारा नियंत्रित किए जाते हैं। कोटा आवंटन के अन्वेषण के लिए पोतलदान अवधि ४ : ४ : माह की दो अवधियों अर्थात् 1 अक्टूबर, 1975 से 31 मार्च, 1976 और 1 अप्रैल, 1976 से 30 सितम्बर, 1976 में विभाजित की जाएगी।

4. भारत के किसी भी दस्तन से निर्यात की अनुमति दी जाएगी।

5. 1 अक्टूबर, 1975 से 30 सितम्बर, 1976 तक को अवधि के दौरान सूती हथकर्षा, तीव्रार पोशाकों के पोतलदान के लिए कोटा वस्त्र समिति, चारवई पा इसके क्षेत्रीय अधिकारियों द्वारा पहले आए से पहले पाए के आधार पर पोतलपरिवहन किलों पर पृष्ठाकान करके ग्रालग-ग्रालग पोतलदानों के आधार पर आवंटित किये जाएंगे। उच्चतम निर्धारित मीमा पर पहुंचते ही वस्त्र समिति कोटों के आवंटक रोक देगी।

6. भारत के किसी भी पत्तन से प्रत्येक भवित्वे के दौरान किए गए सूती व्यवहारी वस्त्रों के सभी पोतलदानों की सूचना सम्बद्ध नियर्णयकों द्वारा वस्त्र समिति बम्बई को आगामी महीने की 10 ता तक दी जाएगी।

7. कोटे के लिए पाव बनने से पहले की शर्तों का आवेदक से अनुपालन कराने को व्यवस्था करने के साथ-साथ वरत आयुक्त को समय-समय पर नियम और विनियम बनाने का अधिकार है।

पी० के० कौल,
मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्णय।

